INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

MID -TERM EXAMINATION 2021-2022

E-EXAMINATION

Date: 29/09/2021 Max. Marks: 40

Class: IX Subject: Hindi {B} Time: 90 Minutes.

Name: ------------- GR No. -------------

Class/ Sec ---- E Mail Id

* This Question Paper contains Multiple Choice Questions.
* The Paper consists of 40 Questions.
* There are three sections in this Ques. Paper- खंड - क, ख & ग
* All Questions are compulsory.
* Choose only ONE Answer from the options given below each question.
* Each Question carries ONE Mark.

खण्ड - क

1. वाक्य में प्रयुक्त शब्द को कहते हैं -

    शब्द

    पदबंध

    पद

    संज्ञा

2. स्वतंत्र सार्थक ध्वनि-समूह को क्या कहते हैं?

    पद

    पदबंध

    शब्द

    वर्ण

3. 'सरचना' में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए ।

    सरंचना

    संरचना

    सरचंना

    सरचनां

4. 'पहुचना' में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाकर मानक रूप लिखिए।

पहुचंना

पहुँचना

पहुंचना

पन्हुंचना

5. गिरि - गिरी श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों का सही अर्थ है -

गृह - ग्रह

पर्वत - बीज

पर्वत - नदी

पेड़ - बीज

6. अंश - अंस श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों का सही अर्थ है -

भाग - कंधा

कंधा - घुटना

भाग - बाग़

जंघा - कंधा

7. 'अग्नि' शब्द के सही पर्यायवाची हैं -

काष्ठ, लकड़ी

आग, पावक

आम, आम्र

नभ, गगन

8. 'चाँदनी' शब्द के सही पर्यायवाची हैं -

कौमुदी, चंद्रिका

अतिथि, पाहुना

वायु, वात

किनारा, तट

9. 'उदय' शब्द विलोम है -

मस्त

रास्ता

अस्त

अभ्यस्त

10. 'आयात' शब्द विलोम है -

निर्यात

अभ्यास

व्यायाम

कुर्यात

11. 'अपवाद' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

अ

अप

अव

अपु

12. 'भर' उपसर्ग से बना सही शब्द चुनिए ।

भारवाहक

भरपूर

भौरा

भावना

13. 'ईन' प्रत्यय से बना सही शब्द चुनिए ।

नमकिन

नमकी

नमकीं

नमकीन

14. 'फल' में इत प्रत्यय लगने पर सही शब्द रूप होगा -

फलित

फलति

फलीत

फलती

15. 'बहुत सुंदर नज़ारा है।' इस वाक्य का 'विस्मयवाचक' वाक्य होगा –

शायद बहुत सुंदर नज़ारा है।

क्या सुंदर नज़ारा है।

वाह! कितना सुंदर नज़ारा है।

बहुत सुंदर नज़ारा नहीं है।

16. अर्थ के आधार पर दिए गए वाक्य का भेद बताइए -

मॉल ऑफ ओमान में तुम्हारे साथ कौन था ?

प्रश्नवाचक वाक्य

विस्मयवाचक वाक्य

संदेहवाच्क वाक्य

इच्छावाचक वाक्य

खण्ड - ख {गद्य एवं पद्य}

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।

तीसरा दिन हिमपात से कैंप-एक तक सामान ढोकर चढ़ाई का अभ्यास करने के लिए निश्चित था। रीता गोंबू तथा मैं साथ-साथ चढ़ रहे थे। हमारे पास एक वॉकी-टॉकी था, जिससे हम अपने हर कदम की जानकारी बेस कैंप पर दे रहे थे। कर्नल खुल्लर उस समय खुश हुए, जब हमने उन्हें अपने पहुँचने की सूचना दी क्योंकि कैंप-एक पर पहुँचनेवाली केवल हम दो ही महिलाएँ थीं।

अंगदोरजी, लोपसांग और गगन बिस्सा अंततः साउथ कोल पहुँच गए और 29 अप्रैल को 7900 मीटर पर उन्होंने कैंप-चार लगाया। यह संतोषजनक प्रगति थी।

जब अप्रैल में मैं बेस कैंप में थी, तेनजिंग अपनी सबसे छोटी सुपुत्री डेकी के साथ हमारे पास आए थे। उन्होंने इस बात पर विशेष महत्त्व दिया कि दल के प्रत्येक सदस्य और प्रत्येक शेरपा कुली से बातचीत की जाए। जब मेरी बारी आई, मैंने अपना परिचय यह कहकर दिया कि मैं बिलकुल ही नौसिखिया हूँ और एवरेस्ट मेरा पहला अभियान है। तेनजिंग हँसे और मुझसे कहा कि एवरेस्ट उनके लिए भी पहला अभियान है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि शिखर पर पहुँचने से पहले उन्हें सात बार एवरेस्ट पर जाना पड़ा था। फिर अपना हाथ मेरे कंधे पर रखते हुए उन्होंने कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

1 **लेखिका एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली कौन - सी महिला बनी?**

दूसरी

पाँचवी

पहली

तीसरी

2 **– कैंप-एक में पँहुचने वाली दो महिलाएँ कौन थीं?**

डॉ. मीनू मेहता तथा बचेंद्री पाल

रीता गोंबू तथा बचेंद्री पाल

डॉ मीनू मेहता तथा रीता गोंबू

इनमें से कोई नहीं

3 **29 अप्रैल को कैंप-चार कितनी ऊँचाई पर लगाया गया?**

6900 मीटर

8900 मीटर

7900 मीटर

5900 मीटर

4 तेनजिंग के पूछने पर लेखिका ने अपना परिचय क्या कह कर दिया ?

मैं हरफनमौला हूँ

मैं सर्वगुणसंपन्न हूँ

मैं नौसिखिया हूँ

मैं खिलाड़ी हूँ

5 तेनजिंग ने लेखिका के कंधे पर हाथ रखते हुए क्या कहा ?

तुम पक्की देहाती लड़की हो

तुम पक्की बर्फानी लड़की हो

तुम पक्की पहाड़ी लड़की हो

तुम पक्की शहरी लड़की हो

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।

बुढ़िया खरबूज़े बेचने का साहस करके आई थी, परंतु सिर पर चादर लपेटे, सिर को घुटनों पर टिकाए हुए फफक-फफककर रो रही थी।

कल जिसका बेटा चल बसा, आज वह बाज़ार में सौदा बेचने चली है, हाय रे पत्थर-दिल!

उस पुत्र-वियोगिनी के दुःख का अंदाज़ा लगाने के लिए पिछले साल अपने पड़ोस में पुत्र की मृत्यु से दुःखी माता की बात सोचने लगा। वह संभ्रांत महिला पुत्र की मृत्यु के बाद अढ़ाई मास तक पलंग से उठ न सकी थी। उन्हें पंद्रह-पंद्रह मिनट बाद पुत्र-वियोग से मूर्छा आ जाती थी और मूर्छा न आने की अवस्था में आँखों से आँसू न रुक सकते थे। दो-दो डॉक्टर हरदम सिरहाने बैठे रहते थे। हरदम सिर पर बरफ़ रखी जाती थी। शहर भर के लोगों के मन उस पुत्र-शोक से द्रवित हो उठे थे।

जब मन को सूझ का रास्ता नहीं मिलता तो बेचैनी से कदम तेज़ हो जाते हैं। उसी हालत में नाक ऊपर उठाए, राह चलतों से ठोकरें खाता मैं चला जा रहा था। सोच रहा था–

1. बुढ़िया साहस करके आई थी-

खरबूजे बोने

खरबूजे बेचने

खरबूजे तोड़ने

तरबूजे बेचने

2 संभ्रांत महिला कितने मास तक पलंग से नहीं उठ पाई थी ?

अढ़ाई मास

डेढ़ मास

पाने दो मास

साड़े तीन मास

3 शहर भर के लोग अमीर औरत के दुःख को देखकर -

हंसने लगे थे ।

निंदा करने लगे थे ।

द्रवित हो उठे थे ।

इनमें से कोई नहीं ।

4 गरीब औरत के दुःख को देखकर लेखक को किसकी याद आई ?

अध्यापिका की

लाला जी की

भगवाना की

पड़ोस में रहनेवाली संभ्रांत महिला की

5 जब मन को कोई रास्ता नहीं सूझता तब -

बेचैनी में कदम तेज़ हो जाते हैं

जवानी में कदम मंद हो जाते हैं

परेशानी में कदम शांत हो जाते हैं

नादानी में कदम भ्रमित हो जाते हैं

निम्नलिखित दोहों पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।

रहिमन धागा प्रेम का ,मत तोड़ो चटकाय।

टूटे से फिर ना मिले ,मिले गाँठ परि जाय ॥

रहिमन निज मन की बिथा,मन ही राखो गोय ।

सुनि अठिलैहैं लोग सब ,बाँटि न लैहैं कोय॥

बिगरी बात बनै नहीं,लाख करौ किन कोय ।

रहिमन फाटे दूध को ,मथे न माखन होय ॥

रहिमन पानी राखिए,बिनु पानी सब सून ।

पानी गए न ऊबरै, मोती , मानुष , चून ॥

1 दूध के फटने पर उसका क्या नहीं बन सकता ?

मिठाई

मक्खन

पनीर

इनमें से कोई नहीं

2 **रहीम के अनुसार हमें कौन-सा धागा नहीं तोड़ना चाहिए?**

द्वेष का

ईर्ष्या का

घृणा का

प्रेम का

3 'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी का क्या अर्थ है?

मोती –आत्मसम्मान,	मानुष –साधारण जल,	चून –चमक
मोती –चमक,	मानुष –साधारण जल,	चून –आत्मसम्मान
मोती –चमक,	मानुष –आत्मसम्मान,	चून –साधारण जल
मोती –साधारण जल,	मानुष –चमक,	चून –आत्मसम्मान

4 रहीम कहते हैं कि–

हमें अपना दुःख सबके साथ बाँट लेना चाहिए ।

हमें सब लोगों के सामने अपने दुःख का प्रदर्शन करना चाहिए ।

हमें अपने मन के दुःख को मन में ही छिपाकर रखना चाहिए ।

हमें दुःख में भी ईश्वर को याद करना चाहिए ।

खण्ड - ग

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:

यह सच है कि इस जटिल संसार में दूसरे लोग हमें धक्का मारकर गिरा सकते हैं, परंतु यह भी सच है कि ज़्यादातर बार हम खुद ही अपने आप को गिराते हैं । हम अपनी व्यक्तिगत कमियों, व्यक्तिगत गलतियों के कारण हारते हैं | यदि हम इनसे उबर पाएँ तो हमारे जीवन की राह काफ़ी हद तक आसान हो जाएगी | ज़रूरी यह है कि हम अपनी कमियों, गलतियों को पहचानें, उन्हें स्वीकार करें और उनसे निजात पाने के प्रयास करें | सफ़लता के लिए अपने आपको हमेशा यह याद दिलाते रहें कि आप आदर्श और पूर्ण मनुष्य बनना चाहते हैं, जैसा करना इंसान के लिए संभव है | अपने आपको एक टेस्ट ट्यूब में रखकर निष्पक्ष दृष्टि से खुद का और अपनी स्थिति का मूल्यांकन करें | यह देखें कि क्या आप में ऐसी कमज़ोरी तो नहीं है, जिसके बारे में आप पहले से नहीं जानते हों | अगर आप में ऐसी कमज़ोरी है, तो उसे

सुधारने के लिए तुरंत कदम उठाएँ | कई लोग आत्ममुग्धता के शिकार हो यथास्थितिवाद के इतने आदी हो जाते हैं कि वे सुधार की संभावनाओं को देखना ही नहीं चाहते | यहीं आकर वे अपने व्यक्तित्व विकास को रोक देते हैं | जीवन में सुधार की प्रक्रिया सतत चलती रहनी चाहिए | इसी में व्यक्तित्व विकास का सार निहित है ।

(i) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए |

व्यक्तित्व विकास

अपनी स्थिति का मूल्यांकन करना

जीवन में सुधार की प्रक्रिया

इनमें से कोई नहीं

(ii) इस जटिल संसार में लोग किस चीज़ के शिकार होकर यथास्थिति के आदी हो जाते हैं ?

करुण

बीमारी

आत्ममुग्धता

कमज़ोरी

(iii) जीवन में कौन-सी प्रक्रिया सतत चलती रहनी चाहिए ?

जीवन में सुधार

मेहनत की

पढ़ाई की

इनमें से कोई नहीं

(iv) जीवन में सुधार की प्रक्रिया के चलने में क्या निहित है ?

ह्रास

शोषण

प्रेम

व्यक्तित्व विकास

(v) हमें जीवन में सुधार के लिए क्या पहचानने की आवश्यकता है ?

वस्तुओं को

दूसरों को

कमियों और गलतियों को

इनमें से कोई नहीं

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के सारे जीवन की नींव है | नींव पक्की हो तो उसके ऊपर भवन भी पक्का बनता है | यदि नींव कच्ची रह जाए तो उसके ऊपर भवन देर तक नहीं टिकता | इसी प्रकार विद्यार्थी जीवन में यदि विद्या भली-भाँति प्राप्त न की जाए, तो भविष्य में मनुष्य का जीवन सूना-सूना, अधूरा और पिछड़ा रह जाता है | विद्यार्थी जीवन में चिंता ज़रा भी नहीं होती | विद्यार्थी सदा प्रसन्न रहते हैं, हँसते-खेलते हुए उनका समय बीतता है | चेहरे पर चमक और ताज़गी होती है | उन्हें आनंद-मग्न देखकर बड़े-बड़े लोग विद्यार्थी जीवन के लिए तरसा करते हैं, पर अब वह चपलता कहाँ ? वह थिरकन कहाँ ? कितना सरस और सुहावना है विद्यार्थी जीवन | परंतु कई बालक, बहुत से किशोर, अनेक युवक इस जीवन की महत्ता को नहीं जानते | वे अपनी इस सुनहरी अवस्था को व्यर्थ गँवा देते हैं | उन्हें पता नहीं कि ऐसा अमूल्य समय फिर हाथ नहीं आएगा, बाद में केवल पछताना पड़ेगा | उन्हें जान लेना चाहिए कि विद्यार्थी जीवन का एक-एक पल कीमती होता है | अंदर की शक्तियाँ इसी जीवन में फलती-फूलती हैं | इसलिए इस जीवन में बड़ी रुचि और लग्न से विद्याएँ सीखनी चाहिए |

(i) अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए-

विद्यार्थी जीवन

देश की नींव विद्यार्थी

समाज और विद्यार्थी

उपरोक्त सभी

(ii) मानव के जीवन की नींव किसे कहा गया है ?

अध्यापक

माता- पिता

समाज

विद्यार्थी

(iii) कैसे लोग जीवन को व्यर्थ गँवा देते हैं ?

जीवन के महत्व को न जानने वाले

प्रवचन करने वाले

नासमझ लोग

इनमें से कोई नहीं

(iv) कौन - सा समय अमूल्य है ?

बुढ़ापे का समय

अध्यापक का समय

शिशु का समय

विद्यार्थी जीवन का समय

(v) इस अनुच्छेद से क्या संदेश मिलता है ?

समय का सदुपयोग करना चाहिए

लग्न से विद्याएँ सीखनी चाहिए

उपरोक्त दोनों

इनमें से कोई नहीं

धन्यवाद